PAPER-II
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No._____

(In words)

D 7 3 1 2

Time : **1 $^{1}/_{4}$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

संस्कृत-परम्परागत विषय:

संस्कृत परम्परागत विषय

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम् – II

प्रश्नपत्र – II

Paper – II

संङ्केत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत् (50)** बहुविकल्पीय प्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम् । **सर्वे** प्रश्ना : उत्तरणीया: ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें ।

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. Attempt **all** the questions.

समुचितं विकल्पं चिनुत :
सही विकल्प चुनिए :
Select the correct option :

1. सूर्य: स्वामी वर्त्तते :-
सूर्य स्वामी है :-
सूर्य is the स्वामी of :-
(A) कर्कस्य
(B) सिंहस्य
(C) मेषस्य
(D) मकरस्य

2. सूर्यस्य संक्रमणे उत्तरगोल: भवति –
सूर्य के संक्रमण से उत्तरगोल होता है –
उत्तरगोल: occurs सूर्यस्य संक्रमणे :-
(A) मेषराशौ
(B) वृषभराशौ
(C) मिथुनराशौ
(D) कर्कराशौ

3. सुखं विचार्यते –
सुख का निरीक्षण किया जाता है –
सुख is observed –
(A) प्रथमस्थानात्
(B) द्वितीयस्थानात्
(C) तृतीयस्थानात्
(D) चतुर्थस्थानात्

4. सूर्य सिद्धान्तस्य प्रवर्त्तकोऽस्ति :-
सूर्यसिद्धान्त के प्रवर्त्तक हैं :-
Propounder of सूर्यसिद्धान्त is :-
(A) भास्कराचार्य:
(B) लगधाचार्य:
(C) वराहमिहिराचार्य:
(D) आर्यभट्ट:

5. नक्षत्राणि सन्ति :-
नक्षत्र हैं :-
नक्षत्राणि are :-
(A) पञ्जविंशति:
(B) षड्विंशति:
(C) सप्तविंशति:
(D) चतुर्विंशति:

6. पापग्रह: अस्ति :-
पापग्रह है :-
पापग्रह is :-
(A) शुक्र:
(B) भौम:
(C) वृहस्पति:
(D) चन्द्र:

7. सूर्यग्रहणं भवति :-

सूर्यग्रहण होता है :-

सूर्यग्रहण is :-

(A) पूर्णिमायाम्

(B) अमावास्यायाम्

(C) संक्रान्तौ

(D) शराभावे

8. संस्काराः सन्ति :-

संस्कार हैं :-

Sacraments are :-

(A) पञ्च

(B) दश

(C) पञ्चदश

(D) षोडश

9. अथ शब्दानुशासनम्'' - इत्यत्र ''अथ'' शब्दः प्रयुज्यते :-

''अथ शब्दानुशासनम्'' - यहाँ ''अथ'' शब्द प्रयुक्त होता है :-

The term ''अथ'' in ''अथ शब्दानुशासनम् is used in the sense of :-

(A) आरम्भार्थे

(B) अधिकारार्थे

(C) मङ्गलार्थे

(D) प्रश्नार्थे

10. अन्यपदार्थप्रधानः समासो भवति :-

अन्य पद के अर्थ की प्रधानता समास में होती है :-

अन्य पदार्थ is predominant in the compound :-

(A) तत्पुरुषः

(B) अव्ययीभावः

(C) द्वन्द्वः

(D) बहुव्रीहिः

11. अपादानविधायकं सूत्रमस्ति :-

अपादानविधायक सूत्र है :-

The rule defining उपादान is :-

(A) अकथितञ्च

(B) आख्यातोपयोगे

(C) दिवस्तदर्थश्च

(D) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः

12. 'टि' संज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति :-

'टि' संज्ञाविधायक सूत्र है :-

The rule defining 'टि' संज्ञा is :-

(A) परः सन्निकर्षः...

(B) सुप्तिङन्तम्...

(C) अर्थवदधातुरप्रत्ययः...

(D) अचोऽन्त्यादि...

13. ज्योतिष्टोमस्य संस्थाः भवन्ति :-

ज्योतिष्टोम की संस्थाएँ हैं :-

The संस्थाs of ज्योतिष्टोम are :-

(A) चतस्त्रः

(B) षड्

(C) नव

(D) सप्त

14. 'स्योनम्' - इत्यस्यार्थोऽस्ति :-

स्योनम् - इसका अर्थ है :-

The meaning of स्योन is :-

(A) निन्दाप्रयुक्तम्

(B) विवादयुक्तम्

(C) सुखकरम्

(D) दुःखकरम्

15. श्रुतिः कतिविधाऽस्ति ?
श्रुति कितने प्रकार की होती हैं ?
How many varieties of श्रुति are there ?
(A) षड्विधा
(B) त्रिविधा
(C) पञ्चविधा
(D) द्विविधा

16. परिसंख्या भवति :-
परिसंख्या का भेद है :-
The varieties of परिसंख्या are :-
(A) चतुर्विधा
(B) द्विविधा
(C) त्रिविधा
(D) षड्विधा

17. नव्यन्यायस्य प्रवर्त्तकोऽस्ति :-
नव्यन्याय के प्रवर्त्तक हैं :-
The first propounder of नव्यन्याय is :-
(A) उदयनः
(B) गङ्गेशः
(C) वाचस्पतिः
(D) गौतमः

18. उपमितेः करणं भवति :-
उपमिति का करण होता है :-
The करण of उपमिति is :-
(A) परामर्शः
(B) सन्निकर्षः
(C) पदज्ञानम्
(D) सादृश्यधीः

19. समवायस्य प्रमाणं वर्त्तते :-
समवाय का प्रमाण है :-
The proof for समवाय is :-
(A) अनुमानम्
(B) उपमानम्
(C) अर्थापत्तिः
(D) शब्दः

20. योगमते समाधिर्भवति :-
योगमत में समाधि होती है :-
In the योग view, समाधि is :-
(A) द्विविधः
(B) चतुर्विधः
(C) पञ्चविधः
(D) एकविधः

21. "सांख्ययोगौ पृथग् बालाः प्रवदन्ति न पण्डिताः" इत्युक्तिः वर्तते :-
"सांख्ययोगौ पृथग् बालाः प्रवदन्ति न पण्डिताः" - यह उक्ति है :-
सांख्ययोगौ पृथग् बालाः प्रवदन्ति न पण्डिताः - This statement occurs in :-
(A) सांख्यकारिकायाम्
(B) मीमांसापरिभाषायाम्
(C) भामतीटीकायाम्
(D) श्रीमद्भगवद्गीतायाम्

22. अधोलिखितेषु नास्तिकमस्ति :-
निम्नलिखित में नास्तिक है :-
In the following the नास्तिक is :-
(A) न्यायदर्शनम्
(B) सांख्यदर्शनम्
(C) मीमांसादर्शनम्
(D) लोकायतदर्शनम्

23. पुरुषानुमाने हेतुर्भवति :-
पुरुषानुमान में हेतु है :-
The हेतु for the inference of पुरुष is :-
(A) अचेतनत्वम्
(B) संघातपरार्थत्वम्
(C) कारणभावः
(D) त्रिगुणात्मकत्वम्

24. रजोगुणो भवति :-
रजोगुण है :-
रजोगुण is of the nature of :-
(A) प्रकाशक:
(B) वरणक:
(C) लघु:
(D) उपष्टम्भक:

25. परिणामवाद: वर्तते :-
परिणामवाद सिद्धान्त है :-
परिणामवाद सिद्धान्त is here :-
(A) नैयायिकानाम्
(B) वेदान्तिनाम्
(C) मीमांसकानाम्
(D) सांख्यानाम्

26. नागार्जुन: प्रवर्त्तकोऽस्ति :-
नागार्जुन प्रवर्त्तक हैं :-
नागार्जुन is the founder of :-
(A) शून्यवादस्य
(B) स्याद्वादस्य
(C) अद्वैतवादस्य
(D) द्वैतवादस्य

27. आस्तिकदर्शनम् अस्ति :-
आस्तिकदर्शन है :-
It is an आस्तिकदर्शन :-
(A) चार्वाकदर्शनम्
(B) जैनदर्शनम्
(C) बौद्धदर्शनम्
(D) वेदान्तदर्शनम्

28. सम्प्रतिशुक्लयजुर्वेदस्य शाखा: समुपलभ्यन्ते :-
वर्तमान में शुक्लयजुर्वेद की शाखायें उपलब्ध हैं :-
How many branches of Shukla yajurveda are available at present ?
(A) तिस्र:
(B) द्वे
(C) चतस्र:
(D) पञ्च

29. शुक्लयजुर्वेदस्य शाखा अस्ति :-
शुक्लयजुर्वेद की शाखा है :-
This branch is related to the Shukla-yajurveda :-
(A) कठ
(B) कपिञ्जल
(C) तैत्तिरीय
(D) माध्यन्दिन

30. शुक्लयजुर्वेदस्य भाष्यकारो नास्ति:-
शुक्लयजुर्वेद का भाष्यकार नहीं है :-
Who is not an interpretor of Shukla-yajurveda ?
(A) शौनक:
(B) सायण:
(C) उव्वट:
(D) महीधर:

31. द्वैतवेदान्तानुसारेण नैजसुखानुभूतिर्भवति :-
द्वैत वेदान्त के अनुसार नैजसुखानुभूति होती है :-
According to Dvaita Vedanta, when is नैजसुखानुभूति: possible ?
(A) ध्यानावस्थायाम्
(B) मोक्षावस्थायाम्
(C) कर्मोपासनावस्थायाम्
(D) व्यावहारिकदशायाम्

32. परब्रह्मण: अहेयत्वप्रतिपादक: शब्दोऽस्ति :-
परब्रह्म का अहेयत्वप्रतिपादक शब्द है :-
The term connoting अहेयत्व of the Supreme Brahman is :-
(A) अयम्
(B) अहम्
(C) तत्
(D) असौ

33. माध्ववेदान्तानुसारेण प्रमाणानि वर्तन्ते :-

माध्ववेद के अनुसार प्रमाणों की संख्या है :-

According to Madhvavedanta, the number of प्रमाणs is :-

(A) त्रीणि

(B) चत्वारि

(C) पञ्च

(D) षट्

34. 'सूना' - इत्यस्यार्थो भवति :-

'सूना' - इसका अर्थ होता है :-

The meaning of 'सूना' is :-

(A) श्मशानम्

(B) पशुबधस्थानम्

(C) विवादस्थानम्

(D) युद्धस्थलम्

35. काम्यश्राद्धे वैश्वदेवौ भवत: :-

काम्यश्राद्ध में वैश्वदेवों है :-

वैश्वदेवौ are in काम्यश्राद्ध –

(A) धुरिरौचनौ

(B) सत्यवसू

(C) पुरुरवाद्रवौ

(D) काम्यकामौ

36. वैश्यस्य गोदानं विधीयते :-

वैश्य का गोदान होता है :-

गोदान ceremony for a वैश्य is performed in :-

(A) अष्टमे वर्षे

(B) नवमे वर्षे

(C) चतुर्विंशति वर्षे

(D) षोड़शवर्षे

37. कालिदासप्रणीतं खण्डकाव्यमस्ति :-

कालिदास द्वारा विरचित खण्डकाव्य है –

खण्डकाव्य is written by कालिदास –

(A) हनूमद्दूतम्

(B) पवनदूतम्

(C) मेघदूतम्

(D) हंसदूतम्

38. मम्मटोक्तानि काव्यप्रयोजनानि सन्ति :-

मम्मट के अनुसार काव्यप्रयोजन है :-

According to मम्मट काव्यप्रयोजनानि are :-

(A) त्रीणि

(B) चत्वारि

(C) पञ्च

(D) षट्

39. 'वक्रोक्ति: काव्यजीवितम्' – इति मतमस्ति :-

'वक्रोक्ति: काव्यजीवितम्' – यह मत है :-

'वक्रोक्ति: काव्यजीवितम्' – This is the view of –

(A) भामहस्य

(B) कुन्तकस्य

(C) मम्मटस्य

(D) आनन्दवर्द्धनस्य

40. क्षेमेन्द्रेण औचित्यस्य भेदा: प्रकीर्त्तिता: :-

क्षेमेन्द्र ने औचित्य के भेद माने हैं :-

According to क्षेमेन्द्र the varieties of औचित्य are :-

(A) सप्तविंशति:

(B) चतुर्विंशति:

(C) त्रयोविंशति:

(D) त्रयोदश:

41. "इतिहासपुराणाभ्यां……समुपबृंहयेत्" :-
"इतिहासपुराणाभ्यां……समुपबृंहयेत्" :-
"Itihasapuranabhyam……Samupabrimhyet" :-
(A) संस्कृतिम्
(B) धर्मम्
(C) वेदम्
(D) स्मृतिम्

42. अष्टादशपुराणेषु उल्लेखो नास्ति :-
अठारह पुराणों में उल्लेख नहीं है :-
The reference of this is not seen in the eighteen puranas :-
(A) केदारखण्डपुराणस्य
(B) भविष्यपुराणस्य
(C) अग्निपुराणस्य
(D) वायुपुराणस्य

43. महाभारतस्य भीष्मपर्वणि वर्तते :-
महाभारत के भीष्मपर्व में है :-
In the Bheeshma parva of Mahabharata is :-
(A) भागवतपुराणम्
(B) देवीभागवतम्
(C) रासपञ्चाध्यायी
(D) श्रीमद्भगवद्गीता

44. "पञ्चरात्रम्" – आगमोऽस्ति :-
पञ्चरात्रम् – आगम है :-
Pancharatram – Agama is :-
(A) वैष्णवागम:
(B) बौद्धागम:
(C) शैवागम:
(D) जैनागम:

45. शैवागमेषु उपासनविषयो विचार्यते :-
शैवागमों में उपासन विषय का विचार किया है :-
Upasana Vishaya is discussed in शैवागमs in :-
(A) क्रियापादे
(B) ज्ञानपादे
(C) योगपादे
(D) चर्यापादे

46. पशुपतिविवेकस्य विचार: कृत: :-
पशुपतिविवेक का विचार किया है :-
An exposition of पशुपतिविवेक is :-
(A) पुराणे
(B) वैष्णवागमे
(C) शैवागमे
(D) जैनागमे

47. विवर्त्तवादस्य प्रवर्त्तकोऽस्ति :-
विवर्त्तवाद का प्रवर्त्तक है :-
The advocate of विवर्त्तवाद is :-
(A) सायणाचार्य:
(B) विद्यारण्य:
(C) वाचस्पति:
(D) अप्पय्यदीक्षित:

48. अद्वैतिभि: प्रतिपादिता ख्यातिरस्ति :-
अद्वैतवादियों की ख्याति है –
The ख्याति theory propounded by Advaita is :-
(A) अनिर्वचनीय ख्याति:
(B) अख्याति:
(C) सत्ख्याति:
(D) अनन्याख्याति:

49. वेदान्ते सत्तात्रैविध्यम् अङ्गीकृतम् :-
वेदान्त में सत्तात्रैविध्य स्वीकृत किया है :-
Three fold reality is accepted in this वेदान्त :-
(A) अद्वैत
(B) माध्व
(C) वल्लभ
(D) विशिष्टाद्वैत

50. पितृधनविभागस्य कालद्वयम् इति मतमस्ति :-
पितृधनविभाग का कालद्वय यह मत है :-
The proper time of पितृधनविभाग is two fold, this is the view of :-
(A) विज्ञानेश्वरस्य
(B) जीमूतवाहनस्य
(C) नारदस्य
(D) मेधातिथे:

Space For Rough Work